कौटिल्य एकेडमी

www.kautilyaacademy.com IAS • IPS • MPPSC • CJ-II

CURRENT AFFAIRS

29TH JUNE 2023

1. ऊर्जा संक्रमण सूचकांक

2. चंद्रयान-3

3. खनिज सुरक्षा साझेदारी

4. मीरा पैबिस

5. MCC के विश्व क्रिकेट कमेटी

SWIPE

ऊर्जा संक्रमण सूचकांक

- विश्व आर्थिक मंच ने 28 जून को ऊर्जा संक्रमण सूचकांक (एनर्जी ट्राजिशन सूचकांक) जारी किया।
- ऊर्जा संक्रमण सूचकांक 2023 में स्वीडन शीर्ष पर रहा। डेनमार्क, नॉर्वे, फ़िनलैंड और स्विटज़रलैंड रैंकिंग के शीर्ष पांच में हैं।
- 7 वें स्थान के साथ फ्रांस रैंकिंग के शीर्ष 10 में एकमात्र जी20 देश है।
- जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन क्रमशः 11वें, 12वें और 13वें स्थान पर हैं।
- विश्व आर्थिक मंच ने एक्सेंचर के सहयोग से रिपोर्ट जारी की है।
- वैश्विक ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन धीमा हो गया है।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था है जिसने ऊर्जा संक्रमण सूचकांक के न्यायसंगत, सुरक्षित और टिकाऊ आयामों में तेजी लाई है।
- भारत ने निरंतर आर्थिक विकास के बावजूद अपनी अर्थव्यवस्था की ऊर्जा तीव्रता और अपने ऊर्जा मिश्रण की कार्बन तीव्रता को सफलतापूर्वक कम किया है।
- भारत में ठोस ईंधन के स्थान पर स्वच्छ खाना पकाने के विकल्पों को अपनाकर बिजली की सार्वभौमिक पहुंच हासिल की गई है।

- भारत के प्रदर्शन में मुख्य रूप से नवीकरणीय ऊर्जा की तैनाती के कारण सुधार हुआ है।
- भारत में थर्मल पावर प्लांट विस्तार की गति काफी धीमी हो गई है।
- भारत हालिया ऊर्जा संकट से सबसे कम प्रभावित देशों में से एक बनकर उभरा है, जिसका मुख्य कारण बिजली उत्पादन में प्राकृतिक गैस की कम हिस्सेदारी है।
- भारत के अलावा, सिंगापुर एकमात्र ऐसा देश है जिसने ऊर्जा परिवर्तन की गति दिखाई है।
- सूचकांक में 120 देशों को स्थान दिया गया है। उनमें से 113 ने पिछले दशक में प्रगति की है।
- भारत सहित 55 देशों ने अपने स्कोर में 10 प्रतिशत से अधिक अंकों का सुधार करके उल्लेखनीय प्रगति की है।

चंद्रयान-3

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हाल ही में पुष्टि की है कि चंद्रयान-3 के लैंडर ने महत्वपूर्ण ईएमआई-ईएमसी परीक्षण पूरा कर लिया है।
- चंद्रयान-3 भारत का तीसरा चंद्रमा मिशन है और इसे इस साल के अंत में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च वाहन मार्क 3 (एलएमवी3) द्वारा लॉन्च किया जाएगा।

- मिशन के लैंडर ने हाल ही में बेंगलुरु के यूआर राव सैटेलाइट सेंटर में महत्वपूर्ण ईएमआई-ईएमसी (इलेक्ट्रो - मैग्नेटिक इंटरफेरेंस / इलेक्ट्रो - मैग्नेटिक कम्पैटिबिलिटी) परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- परीक्षण ने अंतरिक्ष वातावरण में उपग्रह उपप्रणालियों की कार्यक्षमता और अपेक्षित विद्युत चुम्बकीय स्तरों के साथ उनकी अनुकूलता सुनिश्चित की है।
- चंद्रयान-3 एक अंतरग्रहीय मिशन है जिसमें तीन प्रमुख मॉड्यूल हैं : प्रोपल्शन मॉड्यूल, लैंडर मॉड्यूल और रोवर।
- मिशन की जटिलता के लिए मॉड्यूल के बीच रेडियो-फ्रीक्वेंसी (आरएफ) संचार लिंक स्थापित करने की आवश्यकता है ।
- चंद्रयान-3 लैंडर ईएमआई/ईसी परीक्षण के दौरान, लॉन्चर अनुकूलता, सभी आरएफ प्रणालियों का एंटीना ध्रुवीकरण ,कक्षीय और संचालित वंश मिशन चरणों के लिए स्टैंडअलोन ऑटो संगतता परीक्षण, और लैंडिंग के बाद मिशन चरण के लिए लैंडर और रोवर संगतता परीक्षण सुनिश्चित किए गए।
- चंद्रयान -3 एक जटिल अंतरग्रहीय मिशन है जिसमें प्रोपल्शन मॉड्यूल, लैंडर मॉड्यूल और रोवर सहित कई मॉड्यूल शामिल हैं जिनके सफल निष्पादन के लिए इन मॉड्यूल के बीच निर्बाध संचार की आवश्यकता होती है।

- पिछले चंद्रयान-2 मिशन को लैंडिंग प्रयास के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों का सामना करना पड़ा था और इस प्रकार, चंद्रयान-3 मिशन को नेविगेशन और लैंडिंग सिस्टम में सुधार जैसी अतिरिक्त तकनीकी प्रगति की आवश्यकता हो सकती है।
- चंद्रयान-3 की लॉन्च समय-सीमा महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसे चंद्र लॉन्च विंडो के दौरान लॉन्च करने की आवश्यकता होती है, जो हर महीने में एक बार होती है और मिशन में किसी भी देरी के परिणामस्वरूप लॉन्च को पुनर्निर्धारित करना पड़ सकता है, जिससे अतिरिक्त लागत और आगे की देरी हो सकती है।
- चंद्रयान मिशन के बारे में:- चंद्रयान भारत का चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम है जिसमें रोबोटिक मिशनों की एक श्रृंखला शामिल है जिसका उद्देश्य चंद्रमा और उसके संसाधनों का पता लगाना है।

एलीट लीग : यह भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के बाद चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने वाला दुनिया का चौथा देश होने की प्रतिष्ठित लीग में रखता है ।

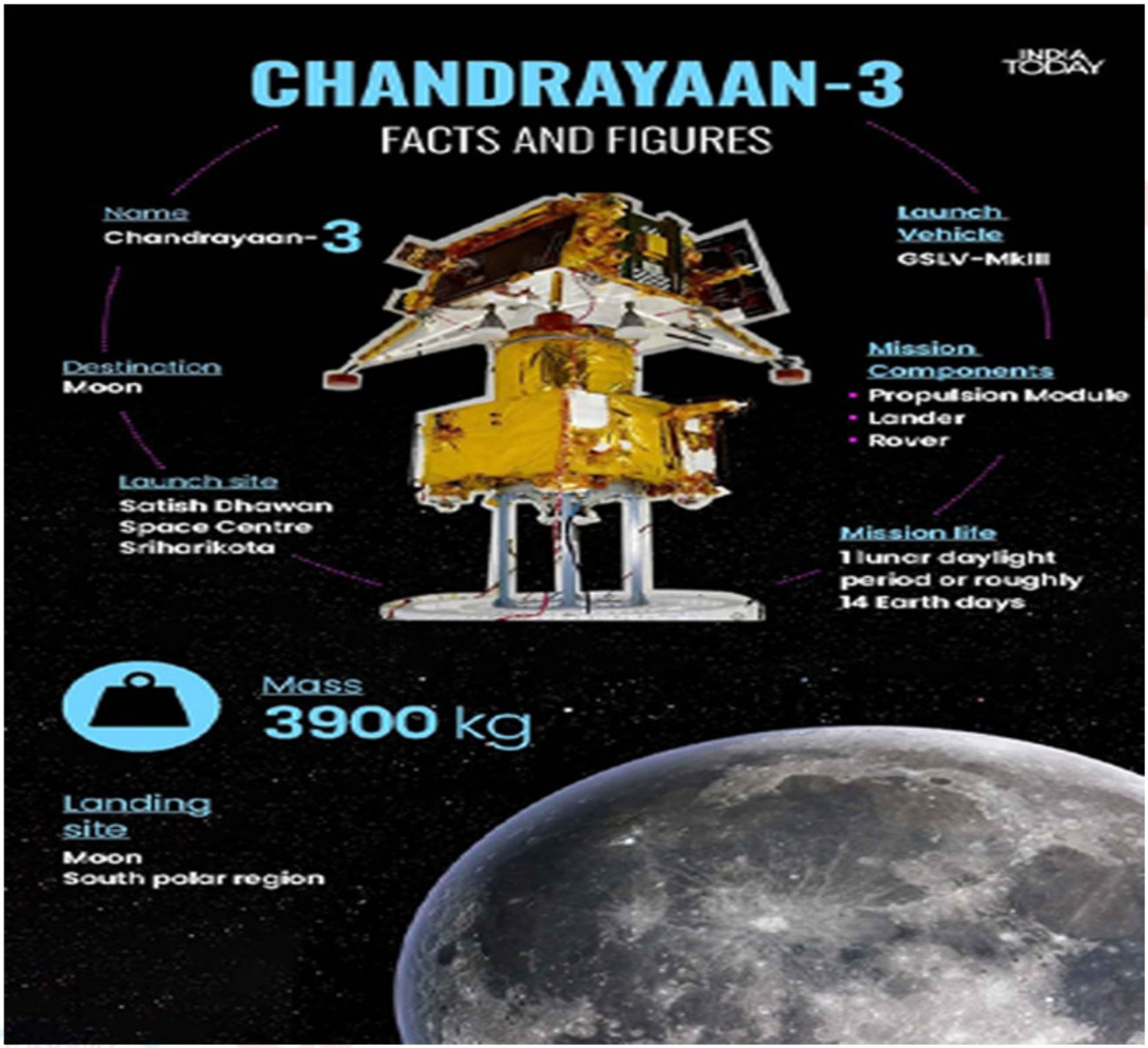

चंद्रयान-3 मिशन

- इसे 2023 के अंत तक लॉन्च करने की योजना है
- इसकी लागत लगभग 615 करोड़ रुपये (82 मिलियन अमरीकी डालर) होने की उम्मीद है और इसका लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर एक रोवर उतारना है।

चंद्रयान-2 मिशन

- इसे **जुलाई 2019 में लॉन्च किया गया** था , और इसमें एक ऑर्बिटर, एक लैंडर (विक्रम), और एक रोवर (प्रज्ञान) शामिल है सभी इसरो द्वारा निर्मित हैं।
- यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास **सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास** करने वाला भारत का पहला प्रयास था।
- इसे **जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च** व्हीकल एमके-III द्वारा आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य **विक्रम लैंडर को चंद्रमा की सतह पर उतारना** और प्रज्ञान रोवर को तैनात करना था।
- यह चंद्रमा की सतह के मानचित्रण और चंद्रमा के बाह्यमंडल (बाहरी वातावरण) का अध्ययन करने के लिए आठ वैज्ञानिक पेलोड ले गया।
- इसका लैंडर विक्रम जाहिरा तौर पर अपने ब्रेकिंग रॉकेट के साथ एक समस्या के कारण चंद्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया ।

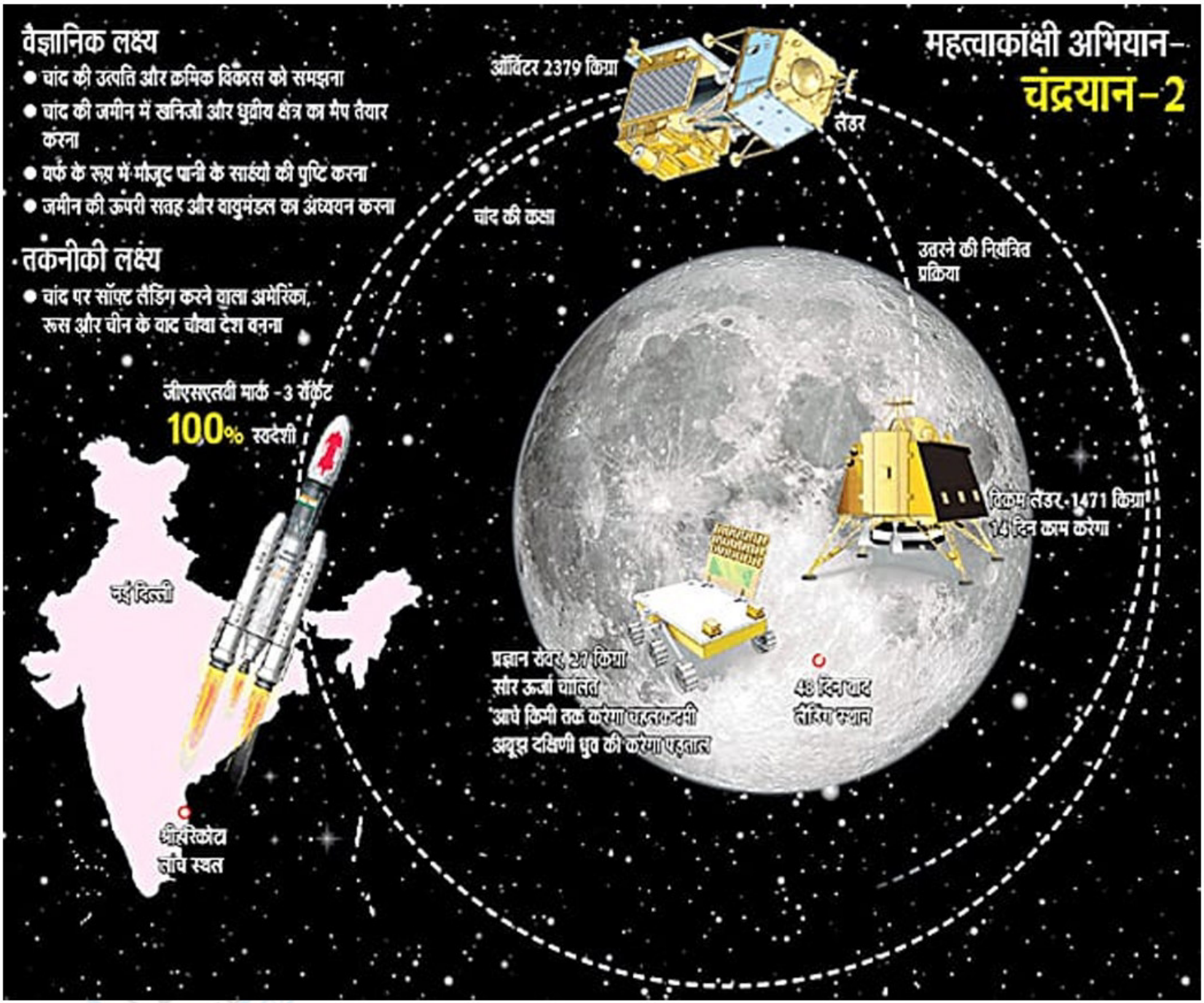
महत्वाकांक्षी अभियान-
चंद्रयान-2
वैज्ञानिक लक्ष्य
● चांद की उत्पत्ति और क्रमिक विकास को समझना
● चांद की जमीन में खनिजों और ध्रुवीय क्षेत्र का मैप तैयार करना
● बर्फ के रूप में मौजूद पानी के साक्ष्यों की पुष्टि करना
● जमीन की ऊपरी सतह और वायुमंडल का अध्ययन करना
तकनीकी लक्ष्य
● चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला अमेरिका, रूस और चीन के बाद चौथा देश बनना
ऑर्बिटर 2379 किग्रा
लैंडर
चांद की कक्षा
उतरने की नियंत्रित प्रक्रिया
जीएसएलवी मार्क -3 रॉकेट
100% स्वदेशी
नई दिल्ली
विक्रम लैंडर-1471 किग्रा
14 दिन काम करेगा
प्रज्ञान रोवर, 27 किग्रा
सौर ऊर्जा चालित
आधे किमी तक करेगा यात्रा
अमूमन दक्षिणी ध्रुव की करेगा पड़ताल
43 किग्रा पेलोड
लैंडिंग स्थान
श्रीहरिकोटा
लांच स्थल

चंद्रयान-1 मिशन

- इसे अक्टूबर 2008 में लॉन्च किया गया था और इसने चंद्रमा की परिक्रमा की और कई वैज्ञानिक प्रयोग और अवलोकन किए।
- यह भारत का पहला चंद्र मिशन और चंद्रमा पर पानी की खोज करने वाला पहला मिशन था।
- इसमें एक ऑर्बिटर और एक इम्पैक्टर शामिल है, दोनों इसरो द्वारा निर्मित हैं
- इसे ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान द्वारा प्रक्षेपित किया गया और इसने चंद्रमा के चारों ओर 3,400 से अधिक परिक्रमाएँ कीं।
- इसमें 11 वैज्ञानिक उपकरण थे , जिनमें से पांच भारतीय थे जबकि अन्य यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए), नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) और बल्गेरियाई एकेडमी ऑफ साइंसेज से थे।
- यह 29 अगस्त 2009 तक 312 दिनों तक चालू रहा।

CHANDRAYAAN-1

India's maiden mission to the moon

India will begin
with the launch
The spacecraft w
mapping its sur

India Began it's first ever mission to the moon with the launch of the spacecraft Chandrayaan-1

THE OBJECTIVES

- Expanding scientific knowledge about the moon
- Upgrading India's technological capability in space
- Preparing a three-dimensional atlas of both near and far side of the moon
- Conducting chemical and mineralogical mapping of the entire lunar surface

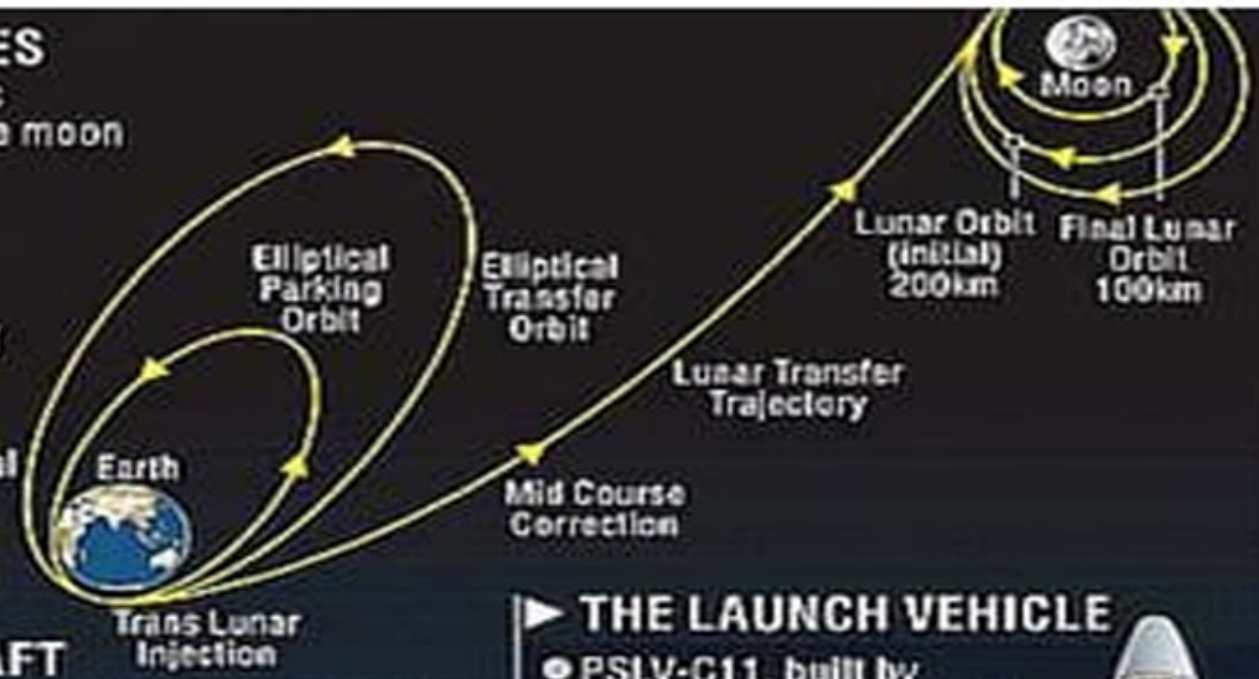

THE SPACECRAFT

- Cuboid in shape of approximately 1.50 m side
- Weighing 1304 kg at launch and 590 kg at lunar orbit
- Accommodates eleven science payloads

THE LAUNCH VEHICLE

- PSLV-C11, built by Indian Space Research Organisation
- Lift-off weight: 316 tonnes
- Height: 44.4 metre
- Stages: Four
- Propellant: Solid and Liquid

LAUNCH SITE

Satish Dhawan Space Centre

Source: ISRO

KBK Infographics

खनिज सुरक्षा साझेदारी

- भारत हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका की अध्यक्षता वाले प्रतिष्ठित महत्वपूर्ण खनिज क्लब - खनिज सुरक्षा साझेदारी (एमएसपी) में शामिल हुआ है।
- एमएसपी ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कोरिया गणराज्य, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका, यूरोपीय संघ, इटली और अब **भारत सहित 13 सदस्य देशों** का एक रणनीतिक समूह है।
- इसका उद्देश्य विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं में सार्वजनिक और निजी निवेश को उत्प्रेरित करना है।
- भारत पहले से ही खनन, खनिज, धातु और **सतत विकास पर अंतर सरकारी फोरम** (INTERGOVERNMENTAL FORUM ON MINING, MINERALS, METALS AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT) का सदस्य है, जो अच्छे खनन प्रशासन की प्रगति का समर्थन करता है।
- एमएसपी के सदस्यों में इंडोनेशिया, वियतनाम, कांगो लोकतान्त्रिक गणराज्य जैसे देश, जिनके पास **महत्वपूर्ण खनिजों के प्रचुर भंडार** हैं, अमेरिका द्वारा गठित इस रणनीतिक समूह का हिस्सा नहीं हैं।

- भारत के सदस्य बनने के बाद इन देशों को शामिल करने के लिए भारत अपनी कूटनीतिक क्षमता का इस्तेमाल कर सकता है और स्वच्छ ऊर्जा के लिए आवश्यक कच्चे माल की एक मजबूत और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला बनाकर चीन पर उनकी निर्भरता को कम कर सकता है।
- एमएसपी में भारत के प्रवेश से कई द्विपक्षीय, बहुपक्षीय समझौतों को बढ़ावा मिलेगा।

कौटिल्य एकेडमी
KAUTILYA ACADEMY INDORE

मीरा पैबिस

- मणिपुर में महिलाओं के आंदोलन को मीरा पैबिस के नाम से जाना जाता है। आजादी के पहले से ही महिलाएं कई बार अपनी बात मनवाने के लिए सड़कों पर उतर चुकी हैं।
- मीरा पैबिस मणिपुर के मैतेई समुदाय की महिलाओं का एक समूह है जिसका गठन वर्ष 1977 में किया गया था।
- व्यापक रूप से सम्मानित इन महिलाओं को इमास या मणिपुर की माता के नाम से भी जाना जाता है।
- इनका मुख्य उद्देश्य शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग का विरोध करने के साथ ही मानवाधिकारों के उल्लंघन का मुकाबला करना है।
- रात्रि के समय जलती हुई मशालों को लेकर चलने के कारण इन्हें मीरा पैबीस या महिला मशाल वाहक कहा जाता है।
- मणिपुर में हिंसा भड़कने के बाद अपनी हालिया यात्रा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने विभिन्न नागरिक समूहों के साथ अपनी बैठकों के हिस्से के रूप में मीरा पैबिस से भी मुलाकात की।

MCC के विश्व क्रिकेट कमेटी

- भारतीय महिला टीम की दिग्गज झूलन गोस्वामी (JHULAN GOSWAMI) को MCC वर्ल्ड कमेटी में शामिल किया गया है। उनके अलावा इंग्लैंड के दो खिलाड़ी हीथर नाइट और पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन को भी इस बैठक का हिस्सा बनाया है।
- यह तिकड़ी यूनाइटेड किंगडम (UK) के लंदन में लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान में होने वाली आगामी बैठक से पहले कमिट्टी में शामिल हो गई है, जिसे होम ऑफ़ क्रिकेट के रूप में जाना जाता है, जिसका स्वामित्व MCC के पास है।
- ,झूलन गोस्वामी ने दो दशकों के करियर का आनंद लिया जिसमें 2002 से 2022 तक 12 टेस्ट, 204 ODI और 68 ट्वेंटी-ट्वेंटी (T20) अंतर्राष्ट्रीय शामिल हैं, जिसमें सभी प्रारूपों में 355 से अधिक विकेट लिए गए, जो महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक है।
- झूलन गोस्वामी, पद्म श्री (2012- खेल के लिए उनकी सेवाओं के लिए), और अर्जुन पुरस्कार विजेता (2010 खेल क्रिकेट के लिए), अक्सर महिला क्रिकेट में सबसे तेज गेंदबाजों में से एक मानी जाती हैं और 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सेवानिवृत्त हुईं।

- उन्हें अप्रैल 2023 में MCC का मानद आजीवन सदस्य बनाया गया था।
- झूलन गोस्वामी की अंतिम उपस्थिति 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (ODI) में लॉर्ड्स में थी ।
- हीदर नाइट इंग्लैंड की महिला टीम ने 2017 में हीथर नाइट के नेतृत्व में ODI वर्ल्ड कप जीता था।
- इयोन मोर्गन इंग्लैंड की पुरुष टीम ने 2019 में इयोन मोर्गन के नेतृत्व में ODI वर्ल्ड कप जीता।
- इयोन मोर्गन और हीथर नाइट दोनों ने लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान पर ODI वर्ल्ड कप में अपनी टीमों का नेतृत्व किया।

MCC वर्ल्ड क्रिकेट कमेटी

- यह दुनिया भर के वर्तमान और पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों, अंपायरों और अधिकारियों की एक स्वतंत्र संस्था है।
- MCC द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित कमिट्टी, विशेष रूप से तकनीकी प्रगति और खेल के बायोमैकेनिकल तत्वों पर अनुसंधान करती है।
- यह कमिट्टी हाल के वर्षों में महिला क्रिकेट में हुई वृद्धि के साथ कमिट्टी में महिला प्रतिनिधित्व की वृद्धि का प्रतीक है।
- झूलन गोस्वामी और हीथर नाइट क्लेयर कॉनर (पूर्व अंग्रेजी क्रिकेटर) और सुजी बेट्स (न्यूजीलैंड क्रिकेटर) से जुड़ते हैं, जो महिला क्रिकेट में प्रत्यक्ष अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं।